



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 968]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अक्टूबर 23, 2003/कार्तिक 1, 1925

No. 968]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 23, 2003/KARTIKA 1, 1925

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 2003

का.आ. 1229(अ).—केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री आर० सी० चोपड़ा की अध्यक्षता में “विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) आधिकरण” का इस बात का न्यायनिर्णयन करने के लिए गठन करती है कि स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इण्डिया (सिमी) को विधिविरुद्ध संगम घोषित करने के पर्याप्त कारण हैं या नहीं।

[फा. सं. 14017/8/2003-एन.आई.-III]

ए. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October, 2003

S.O. 1229 (E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal”, consisting of Mr. Justice R. C. Chopra, Judge of the High Court of Delhi, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring the Students Islamic Movement of India (SIMI) as unlawful association.

[F. No. 14017/8/2003-N.I.-III]

A. K. JAIN, Jt. Secy.